पानी रे पानी

राधेश्याम भारतीय

पानी रे पानी

पानी न होगा तो पेड़ न होंगे
पेड़ न होंगे तो जीवन न होगा
जीवन का आधार है पानी
ईश्वर का वरदान है पानी।।

पानी न होगा तो फसलें न होंगी
फसलें न होंगी तो नस्लें न होगी
नस्लों का आधार है पानी
प्राणों का संचार है पानी।।

पानी न होगा तो बिजली न होगी
बिजली न होगी तो उजाला न होगा
उजाले का आधार है पानी
अंधेरे पर जीत है पानी।।

पानी को व्यर्थ न बहाओ
इसकी एक-एक बूंद बचाओ
आज की आश है पानी
कल का विश्वास है पानी।।

प्लास्टिक और मानव

उस दिन तुमने ही पढ़े थे कसीदे
प्लास्टिक की शान में
तुमने ही थमाई थी
पावन हरे-भरे पत्तों के स्थान पर
प्लास्टिक की प्लेटें
और कच्ची मिट्टी के सकोरों के स्थान
प्लास्टिक के गिलास
उस दिन तो बल्लियों उछले थे तुम
जब जूट की थैलियों के स्थान पर
पकड़ाई प्लास्टिक की रंगीन थैलियां
भूलकर
कि लील जाती है
हमारे पशु धन को
उस दिन तो
हाशिये पर ही पहुँचा दिया
तुमने प्रकृति को
बनाकर प्लास्टिक के फूल, पत्ती
और
पूरा पेड़ ही
हे मानव!
याद रख
यह साथी नहीं तुम्हारा
साथी के रूप में दानव है
जो देकर भयंकर बीमारियों की सौगात
निगल जायेगा
तुम्हारी खुशियां
तुम्हारे पशु-धन।
सम्भल जाओ
और लौट जाओ
सौंधी मिट्टी की ओर
जो बनती है
बिगड़ती है
और फिर बनती है
यही तो नियम है
सृष्टि का

घर-घर हरियाली

जब घर-घर होगी हरियाली,
खुशियों की मनेगी दीवाली।
रिमझिम-रिमझिम वर्षा होगी,
आ जायेगी खेतों में खुशहाली।
प्रदूषण दानव का नाश होगा,
छा जायेगी धरती पर लाली।
मधुर स्वर मे गायेंगे पंछी,
खिलेगी मन की डाली-डाली।
तोड़ मीठे-मीठे फल खायेंगे,
मनेगी फिर बच्चों की होली।
औषधियों का उपहार मिलेगा
हो जायेगी हर काया निरोगी।

संपर्क करें
राधेश्याम भारतीय
नसीब विहार कालोनी
घरौंडा, करनाल 132 114
मो.नं. 09315382236
ईमेल : rbhartiya74@gmail.com